साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 180 | जौनपुर, गुरूवार, 28 मार्च 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गोलियों की आवाज से गूंजी राजधानी, सात से आठ राउंड हुई फायरिंग

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली एक बार फिर वारदातों की राजधानी बन गई है। एक दिन पहले ही दिल्ली के अलग अलग इलाकों में सात हत्याओं का मामला सामने आया। ताजा मामला उत्तर–पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके से हैं। जहां ताबड़तोड़ फायरिंग में एक शख्स की मौत हो गई। न्यू उस्मानपुर इलाके में एक युवक की हत्या के मामले पर उत्तर–पूर्वी दिल्ली के डीसीपी जॉय टिर्की ने कहा कि घटना रात 12 बजे की है। कुल सात से आठ राउंड गोलियां चलीं हैं। पीड़ित के भाई ने बताया कि उसे गोली मारी गई है। मृतक के खिलाफ 2010 में हत्या का मामला भी दर्ज किया गया था। कुछ दिन पहले मृतक और कुछ लोगों के बीच झगड़ा हुआ था। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल जांच चल रही है।

पूर्व पत्नी के प्रेमी ने दोस्त को मारी गोली

शास्त्री पार्क में सोमवार रात मुस्तकीम (22) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुस्तकीम दोस्त सुहेल खान (22) के साथ उसकी पूर्व पत्नी इशरत (23) से मिलने आया था। इस बात पर इशरत का प्रेमी यासीन (24) भड़क गया और वह सुहेल व मुस्तकीम से झगड़ा करने लगा। कहासुनी के दौरान आरोपी ने मुस्तकीम के सीने में गोली मार दी। मुस्तकीम को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी यासीन की तलाश शुरू कर दी है। मुस्तकीम परिवार के साथ गली नंबर–1, शास्त्री पार्क में रहता था। वह चांदनी चौक में कपड़े की एक दुकान पर सेल्समैन था। सुहेल परिवार के साथ सीलमपुर में रहता है।

अगवा कर किशोरी से किया सामूहिक दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। सराय रोहिल्ला इलाके में किशोरी को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने 16 वर्षीय किशोरी की पिटाई भी कर दी। बाद में जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार हो गए। मामला दर्ज कर पुलिस ने मुख्य आरोपी को उसके गांव ठिकिया फतेहपुर, अमरोहा से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान जुनैद खान उर्फ भोपला (25) के रूप में हुई है। 17 वर्षीय नाबालिग आरोपी को पुलिस ने दिल्ली के शास्त्री नगर इलाके से दबोचा है। उसके पास से वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, 18 मार्च को सराय रोहिल्ला इलाके में झगड़े की कॉल पुलिस को मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो किशोरी के बाड़ा हिन्दूराव अस्पताल जाने का पता चला। 19 मार्च को अस्पताल के डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि किशोरी से मारपीट के अलावा दुष्कर्म भी किया गया है।

भाजपा सरकार में विकास तेजी से हो रहा- सीएम योगी

मेरठ, संवाददाता। सीएम योगी बुधवार को मेरठ दौरे पर पहुंचे हैं। सीसीएसयू में आयोजित सम्मेलन में प्रबुद्ध समाज के लोगों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि क्रांतिधरा पर आकर आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि तीन दशक पहले जिस तरह अरुण गोविल ने रामायण में मजबूती के साथ मंचन किया था। ठीक उसी प्रकार अरुण गोविल अब भी मेरठ में इतिहास रचेंगे। उन्होंने कहा कि मेरठ हमेशा इतिहास रचता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी अरुण गोविल को बधाई दी। सीएम योगी ने कहा कि पर्व और त्योहार को फूहड़ बनाने का प्रयास हो रहा था। लेकिन इस बार भी होली के अवसर पर जो राम को लाए हैं गीत बज रहा था। यह परिवर्तन हुआ है। कहा कि संसद के हर सत्र में राजेंद्र अग्रवाल की आवाज उठती थी। वहीं, अरुण गोविल को कला के क्षेत्र के जीवंत हस्ताक्षर कहा है। सीएम योगी ने कहा कि लॉकडाउन के समय रामायण एक बार फिर घर–घर तक पहुंचा, जिससे दूरदर्शन की टीआरपी बढ़ गई। उन्होंने कहा कि मेरठ की पहचान ऐसे राम के चरित्र को निभाने वाले से बन रही है, जिसने तीन दशक पहले भी मजबूती से मंचन किया था। कोतवाल धन सिंह गुर्जर के बलिदान का भी मेरठ साक्षी रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 32 हजार करोड़ रुपये से रैपिड का काम किया जा रहा है। यही विकास है। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे बनने से अब

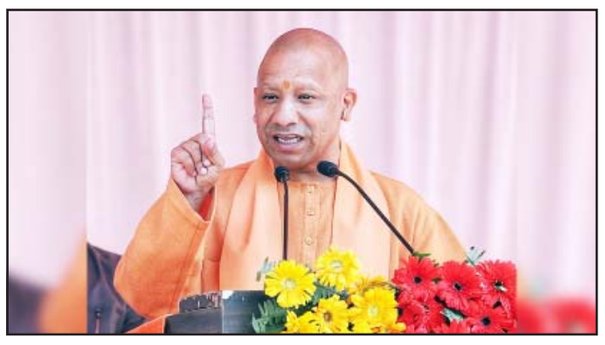

मेरठ के लोग एक घंटे से पहले ही दिल्ली पहुंच जाते हैं। उन्होंने कहा कि पहला खेल विश्वविद्यालय भी यहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि यही विकास की तस्वीर है। सीएम योगी ने कहा कि पहले की तुलना में यूपी में बहुत कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा कि मोदी को बार–बार इसीलिए लाया जा रहा है कि पीएम मोदी ने देश में विकास करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में सीमाएं सुरक्षित हुईं हैं। कहा कि उग्रवाद, नक्सलवाद और आतंकवाद पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है। कश्मीर में आतंकवाद भी समाप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि होली खेले रघुवीरा गीत सुनते थे लेकिन, अवध में जाते थे तो राम जी के दर्शन नहीं होते थे। पहली बार 500 वर्षों के बाद रामलला ने होली खेली है। उन्होंने पूछा कि क्या विपक्ष ऐसा कभी कर पाता? कहा कि विकास, विरासत और आस्था एक साथ ले जाने वाली सिर्फ मोदी सरकार है। बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ का भारत ही मेरा परिवार है। कहा कि विपक्ष के लिए फेमिली फर्स्ट है लेकिन, पीएम मोदी के लिए देश फर्स्ट है। सीएम योगी ने कहा कि कश्मीर को लेकर कहा जाता था कि किसी देश में दो प्रधामंत्री नहीं चलेंगे। पहले धारा 370 हटाने की किसी ने हिम्मत नहीं दिखाई लेकिन, मोदी ने उसे भी हटाया कर दिखाया है। उन्होंने जनता से पूछा कि जो पीएम मोदी ने किया है क्या सपा, बसपा और कांग्रेस ऐसा कर पाती?

उन्होंने कहा कि केवल सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, इसलिए लोग मोदी को चुनते हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी है लेकिन, विपक्षी गठबंधन जातिवाद के नाम पर समाज को छिन्न–भिन्न करते थे। सीएम योगी ने कहा कि 18वीं लोकसभा में जनता के सामने असमंजस की स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता के सामने हर तरफ विकास ही विकास है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर देश दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि मोदी की सरकार में देश गलोबल लीडर बनेगा। सीएम योगी ने कहा कि एक वे लोग थे जो कर्फ्यू लगाते थे और हम कांवड़ यात्रा को लेकर चलते हैं। हम श्रद्धालुओं के लिए फूल बिछाते हैं, वे शूल लगाते थे।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए महिलाओं ने निकाली स्कूटी रैली

जिलाधिकारी ने महिला मतदाता जागरूकता स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए महिला स्कूटी रैली निकाली गई। रैली को इंग्लिश क्लब से जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी श्री रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, उप जिलाधिकारी अर्चना ओझा, उप जिलाधिकारी प्रजक्ता त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में निकली रैली में परिषदीय विद्यालयों की सैकड़ों शिक्षिकाएं, स्कूटी पर मतदाता जागरूकता स्टीकर लगाकर, हेलमेट लगाकर, पिंक कपड़े पहनकर शामिल रहीं तथा महिलाएं मतदाता जागरूकता वाले संदेशों के पोस्टर भी लिए थीं। तथा वोट करेगा जौनपुर, सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो, ''चाहे नर हो या नारी मतदान हैं सबकी जिम्मेदारी'' पहले मतदान फिर जलपान, आदि नारे लगाते चल रही थी और लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रही थी। रैली इंग्लिश क्लब से शुरू होकर, दीवानी कचहरी तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा, जहांगीराबाद, नखास, सदभावना पुल, चहारसू, होते हुए शाही किला तक गई। उपस्थित लोगों को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाता जागरूकता रैली का उद्देश्य है कि मतदाता सूची में दर्ज प्रत्येक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने जनपद के मतदाताओं से अपील की है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में मतदान तिथि 25 मई 2024 को अवश्य मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भागीदारी निभाए। महिला, पुरुष, तृतीय लिंग, युवा व दिव्यांग सभी करें शत प्रतिशत मतदान। मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम ने मतदान का महत्व बताते हुए कहा कि जनपद के सभी मतदाता चाहे वे यहाँ रह रहे हैं या बाहर रह रहे हो, वे सभी लोकतंत्र का महापर्व मनाये और मतदान जरुर करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदान करना हम सभी का कर्तव्य व नैतिक जिम्मेदारी है, मतदान कर अपना फर्ज निभाये स्वयं मतदान करें और अन्य लोगों को भी मतदान करने के लिए जागरुक करें।

यूपी में 31 मार्च से अभियान की शुरूआत करेंगे पीएम मोदी

उत्तर प्रदेश, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार, 31 मार्च को उत्तर प्रदेश के मेरठ से भाजपा के लोकसभा अभियान की शुरुआत करेंगे। रैली के दौरान वह राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के साथ मंच साझा करेंगे। रालोद हाल ही में उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन में शामिल हुई है। भाजपा ने लोकप्रिय टीवी श्रृंखला रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल को मेरठ लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। गोविल ने तीन बार के सांसद राजेंद्र अग्रवाल का स्थान लिया है जो 2004 से मेरठ सीट पर काबिज हैं। अब तक, भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए कुल 402 उम्मीदवारों की घोषणा की है, और उसने कम से कम 100 मौजूदा सांसदों को सूची से बाहर कर दिया है। 2 मार्च को बीजेपी की ओर से जारी की गई पहली सूची के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से तीसरी बार चुनाव लड़ेंगे। 2019 में, उन्होंने समाजवादी पार्टी की शालिनी यादव को हराया और 2014 के चुनावों में, उन्होंने आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सीट जीती। पार्टी ने अब तक पहली सूची में 33, दूसरी में 30 और पांचवीं सूची में 37 मौजूदा सांसदों को बाहर कर दिया है। जिन बड़े नामों को टिकट नहीं मिला उनमें वरुण गांधी, प्रज्ञा ठाकुर, रमेश बिधूड़ी, दर्शना जरदोश, रमेश पोखरियाल निशंक, प्रताप सिम्हा, वीके सिंह, अनंत हेगड़े, अश्विनी चौबे, हर्ष वर्धन और गौतम गंभीर शामिल हैं। माना जा रहा है कि 27 तारीख से उत्तर प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में राजनीतिक हलचल तेज हो सकती है। पश्चिमी क्षेत्र में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कम से कम तीन सफाई हो सकती हैं तो वहीं योगी आदित्यनाथ भी अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। 27 मार्च से योगी आदित्यनाथ चुनावी दंगल में उतरेंगे। वह 27 से 31 मार्च तक प्रबुद्ध सम्मेलनों के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसकी शुरूआत भगवान श्री कृष्ण की नगरी मथुरा से होनी है। 27 को ही योगी आदित्यनाथ मेरठ और गाजियाबाद में भी चुनाव प्रचार में शामिल होंगे।

कांग्रेस से कोई तनाव नहीं, सीट बंटवारे पर बनी सहमति – तेजस्वी

बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने महागठबंधन के भीतर दरार की अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिहार में लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में जल्द ही पटना में घोषणा की जायेगी। यादव ने नई दिल्ली में कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक के आवास पर बिहार के सीट–बंटवारे के फॉर्मूले को लेकर इंडिया ब्लॉक की बैठक में भाग लिया। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर बिहार में लोकसभा चुनाव लड़ेगी। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिया ब्लॉक साझेदार सीट–बंटवारे की व्यवस्था पर मौखिक रूप से सहमत हो गए हैं और सभी घटकों को एक सम्मानजनक सौदा मिल रहा है।

उनकी टिप्पणियाँ बिहार में सीट बंटवारे को लेकर भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के भीतर बेचैनी का संकेत देने वाली रिपोर्टों के प्रकाश में आई हैं। कथित तौर पर कांग्रेस बिहार में चुनाव लड़ने में रुचि रखने वाली कुछ सीटों पर राजद द्वारा उम्मीदवारों की एकतरफा घोषणा से नाखुश थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस–राजद गठबंधन सबसे पुराना गठबंधन है। हम हर परिस्थिति में साथ रहे हैं और साथ मिलकर चुनाव भी लड़े हैं। हमारे बीच कभी कोई तनाव नहीं रहा।

केंद्र अफस्पा को हटाने पर विचार करेगा, जम्मू-कश्मीर से सेना वापस बुलाने की योजना - मंत्री अमित शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू–कश्मीर से सशस्त्र बल (विशेष अधिकार) अधिनियम (अफस्पा)को वापस लेने पर विचार करेगी। शाह ने जेके मीडिया ग्रुप के साथ एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि सरकार की योजना केंद्र शासित प्रदेश में सैनिकों को वापस बुलाने और कानून व्यवस्था को अकेले जम्मू–कश्मीर पुलिस पर छोड़ने की है। उन्होंने कहा, हमारी योजना सैनिकों को वापस बुलाने और कानून व्यवस्था को जम्मू–कश्मीर पुलिस के हवाले करने की है। पहले, जम्मू–कश्मीर पुलिस पर भरोसा नहीं किया जाता था, लेकिन आज वे अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। विवादास्पद अफस्पा पर गृह मंत्री ने कहा, ''हम अफस्पा हटाने के बारे में भी सोचेंगे। अफस्पा

अशांत क्षेत्रों में सक्रिय सशस्त्र बलों के कर्मियों को ''लोक व्यवस्था कायम'' रखने के लिए आवश्यकता होने पर तलाशी लेने, गिरफ्तार करने और गोली चलाने की व्यापक शक्तियां देता है। शाह ने पहले कहा था कि पूर्वोत्तर राज्यों में 70 प्रतिशत क्षेत्रों में अफस्पा हटा दिया गया है, हालांकि यह जम्मू–कश्मीर में लागू है। जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने अफस्पा हटाने की मांग की है। शाह ने कहा कि सितंबर से पहले जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव होंगे। उन्होंने कहा, ''जम्मू–कश्मीर में लोकतंत्र को स्थापित करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वादा है और इसे पूरा किया जाएगा। हालांकि, यह लोकतंत्र केवल तीन परिवारों तक सीमित नहीं रहेगा और लोगों का लोकतंत्र होगा।'' उच्चतम न्यायालय ने केंद्रशासित प्रदेश में सितंबर से पहले विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को लेकर पूछे गए सवाल पर शाह ने कहा कि पहली बार, जम्मू–कश्मीर के ओबीसी को मोदी सरकार ने आरक्षण दिया है और महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा, ''पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों में ओबीसी आरक्षण दिया गया। हमने एससी और एसटी के लिए जगह बनाई है। गुज्जर और बकरवालों की हिस्सेदारी कम किए बिना, पहाड़ियों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

जेल में रहकर भी कुर्सी का मोह नहीं छोड़ पा रहे केजरीवाल - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग

सिंह ठाकुर आज जम्मू कश्मीर प्रवास पर थे। अपने प्रवास के दौरान श्री अनुराग ठाकुर ने सर्वप्रथम उधमपुर में आयोजित बाइक रैली में भाग लिया और इसके बाद उधमपुर भाजपा कार्यालय में आयोजित सांगठनिक बैठक में शामिल हुए। शाम को श्री अनुराग ठाकुर आईआईएम जम्मू और होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित विकसित भारत एंबेसडर कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। श्री अनुराग ठाकुर ने आरजेडी लीडर लालू प्रसाद यादव का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस समय लालू यादव चारा घोटाले में फंसे हुए थे उस समय राबड़ी देवी जी उनकी तरफ से घोषणाएं करती थी, फिर धीरे–धीरे उन्होंने लालू यादव की गद्दी संभाल ली, अब अरविंद केजरीवाल के मामले में भी यही हो रहा है। जो अरविंद केजरीवाल नैतिकता की बात करते थे, जो कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ अनशन पर बैठते थे वही आम आदमी पार्टी आज भ्रष्टाचार के दलदल में बुरी तरह फंस गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जेल में रहकर भी अरविन्द केजरीवाल सीएम की कुर्सी का मोह नहीं छोड़ रहे हैं, केजरीवाल ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े हैं। श्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा और कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद वह अपने ही राज्यों की महिलाओं को संरक्षण नहीं दे पाई बल्कि उन्होंने भ्रष्टाचारियों और बलात्कारियों को संरक्षण दिया है। श्री अनुराग ठाकुर ने आगे कहा, अरविंद केजरीवाल कहते थे कि मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ हूं, राजनीति में नहीं आऊंगा। ये वही अरविंद केजरीवाल हैं जो कांग्रेस के खिलाफ धरने पर बैठते थे।

देश का युवा समझ चुका है कि बीजेपी रोजगार नहीं दे सकती – प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और दावा किया कि देश का हर युवा समझ चुका है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) रोजगार नहीं दे सकती। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भारत के कुल कार्यबल में जितने बेरोजगार हैं, उनमें 83 प्रतिशत युवा हैं। कुल बेरोजगारों में शिक्षित युवाओं की हिस्सेदारी 2000 में 35.2 प्रतिशत थी। दूसरी ओर प्रधानमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार कह रहे हैं कि सरकार बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर सकती। प्रियंका गांधी ने

दावा किया, यही भाजपा सरकार की सच्चाई है। आज देश का हर युवा समझ चुका है कि भाजपा रोजगार नहीं दे सकती।'कांग्रेस पार्टी के पास युवाओं को रोजगार देने की ठोस योजना है। खाली पड़े 30 लाख सरकारी पद तत्काल भरे जाएंगे, हर ग्रेजुएट/डिप्लोमा धारक को एक लाख रुपये सालाना की अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षुता), पेपर लीक के खिलाफ नया सख्त कानून आएगा और स्टार्ट–अप के लिए 5000 करोड़ रुपये का राष्ट्रीय कोष बनेगा।

संपादकीय

लेफ्ट जेएनयू से जेएनयू तक

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) छात्र संघ चुनाव में वामपंथी छात्र संगठनों को सफलता मिलने के बाद जिस तरह से कुछ कथित बुद्धिजीवी कहे जाने वाले विद्वानों ने सोशल मीडिया में टिप्पणियां की हास्यास्पद ही मानी जाएंगी। इन विद्वानों ने लेफ्ट पार्टियों के उम्मीदवारों की कामयाबी को आगामी लोकसभा चुनाव के नतीजों से भी जोड़ा। यहां तक कह दिया कि आगामी लोकसभा चुनावों के अप्रत्याशित नतीजे आने वाले हैं। जेएनयू में अध्यक्ष समेत सभी चारों सीटों पर वामपंथी दलों के छात्र संगठनों और उनके समर्थित उम्मीदवारों को जीत मिली है। जिस जेएनयू में करीब 5 हजार विद्यार्थी पढ़ते हों उसके छात्र संघ के नतीजों को लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखना मूर्खता नहीं तो क्या है। हैरानी तो इस बात की है कि जेएनयू के नतीजों पर अपनी राय रखने वाले कुछ माह पहले दिल्ल्ली विश्ध्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के नतीजों की पूरी तरह अनदेखी कर गए। यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर कब्जा जमाया कब्जा था। एक पद पर कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई को भी जीत मिल थी। जहां सारे जेएनयू में करीब पांच हजार विद्यार्थी पढ़ते हैं, वहीं दिल्ली विश्वविद्लाय के अकेले दयाल सिंह कॉलेज में 8 हजार से अधिक छात्र पढ़ते हैं। अब आप समझ सकते हैं कि छात्रों की संख्या के स्तर पर जेएनयू कितना छोटा सा शिक्षण संस्थान है, दिल्ली विश्वविद्लाय की तुलना में। ।कअमतजपेमउमदज दरअसल वामपंथी विचारधारा और लेफ्ट दल पूरी तरह से भारतवर्ष में अप्रासंगिक होते जा रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनावों को लेकर जहां सब दल तैयारी कर रहे हैं और अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर रहे हैं, वहां लेफ्ट दलों की तरफ से कोई हलचल तक नजर नहीं आ रही है। 2014 के लोकसभा चुनावों में उसे मात्र 11 सीटें ही मिलीं। पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनावों में माकपा या भाकपा को एक भी सीट नहीं मिली। पिछले लोकसभा चुनावों के नतीजों ने साफ संदेश दे दिया था कि देश के मतदाताओं ने लेफ्ट दलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन नतीजों के बाद लेफ्ट पार्टियों के सीताराम येचुरी, डी.राजा और वृंदा करात जैसे नेता सिर्फ संवाददाता सम्मेलनों और सेमिनारों में ही नजर आते हैं। अपनी पहचान बचाने के लिये पूरी तरह से संघर्षरत नजर आते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बीते दिनों शराब घोटाले में हिरासत में लिया गया तो डी.राजा और उनकी पार्टी भाकपा के कुछ नेता तुरंत केजरीवाल के सरकारी घर में उनकी पत्नी से मिलने पहुंच गए। वहां उन्होंने खबरिया चौनलों को बाइट दी और बस हो गई उनकी क्रांति। लेफ्ट दलों के मौजूदा नेता कभी किसी जन आंदोलन का हिस्सा तक नहीं होते। हां, वे किसी आंदोलन से अपने को मौके के अनुसार जोड़ लेते हैं। जब कुछ किसान एमएसपी को लेकर आंदोलन रत थे, तब लेफ्ट दलों के नेता उनके पास मंच में जाकर बैठने लगे थे। इन नेताओं के विपरीत गुजरे दौर के लेफ्ट दलों के नेता जैसे हरिकिशन सिंह सुरजीत, नंबदूरिपाद, इंद्रजीत गुप्त, ज्योति बसु, चतुरानन मिश्र, रामावतार शास्त्री, भोगेन्द्र झा वगैरह काफी जुझारू हुआ करते थे। उन्हें जमीनी हकीकत की बेहतर जानकारी थी। वैचारिक मतभेदों के बावजूद ईएमएस नम्बुदिरीपाद की सादगी और विद्वता का सब सम्मान करते थे। वह 1978 में माकपा के महासचिव बने तो उन्हें पार्टी ने राजधानी के 20 जनपथ की कोठी दी रहने और काम करने के लिए। वह 20 जनपथ में तब तक रहे जब तक वह माकपा के महासचिव के तौर पर दिल्ली में रहे। जब हरकिशन सिंह सुरजीत महासचिव बने तब ईएमएस त्रिवेंद्रम चले गए। बिहार माकपा के नेता और ईएमएस के सहयोगी रहे श्री भगवान प्रसाद सिन्हा बताते हैं कि ईएमएस सुबह पांच बजे उठ जाते थे। प्रातःकाल की सैर के साथ वह साइकिल से व्यायाम करनेवालों मे से भी थे। उसके बाद वे अखब्बार पढ़ते, नाश्ता लेते और ठीक आठ बजे पार्टी दफ्तर जो पटेल चौक के समीप 14, अशोक रोड पर था जाने के लिए तैयार हो जाते। ईएमएस को चलने में कठिनाई थी। लेकिन, चाहे घर 20 जनपथ में या चाहे दफ्तर 14, अशोक रोड में वे चाय पीने के बाद कप धोने के लिए दो कमरे को पारकर किचेन रूम तक पहुँच जाते। वे कम्युनिस्ट होते हुए भी राजनीति में गाधी जी की तरह एक सादा जीवन जिए, सारी जमीन जायदाद पार्टी को दान कर दी। भारत की राजनीति में यह बहुत बड़ी बात मानी जाती है। पर अब ईएमएस जैसे नेता लेफ्ट दलों के पास रहे कहां हैं? सच्चाई तो यह है कि अब लेफ्ट पार्टियां पश्चिम बंगाल, केरल और त्रिपुरा से निकलकर सिर्फ जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी तक सिमट गई हैं। वहां के छात्र संघ के चुनाव जीतकर इन्हें ऐसा लगता है कि इन्होंने सर्वहारा की देश में क्रांति कर दी या करने ही वाले है। देश ने इनका पहली बार वीभत्स चेहरा देखा 1962 में चीन से जंग के वक्त। तब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी(भाकपा) ने राजधानी के बारा टूटी चौक में चीन के समर्थन में एक सभा तक आयोजित करने की कोशिश की थी। यह अलग बात है कि स्थानीय जनता के भारी विरोध के कारण भाकपा की सभा नहीं हो सकी थी। कुछ वर्ष पूर्व इन्हीं लेफ्ट दलों का "पोस्टर ब्वाय" कन्हैया कुमार ने जेएनयू छात्र संघ का चुनाव जीता था। पिछले लोकसभा चुनाव में उसे बेगूसराय से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने अपना उम्मीदवार भी बनाया था। वह चुनाव में बुरी तरह से हार गया था। उसके बाद उसने कांग्रेस का रुख कर लिया। यह वही कन्हैया कुमार है, जिसने भाकपा में रहते हुए भारतीय सेना पर कश्मीर में रेप तक करने के आरोप लगाए थे। कन्हैया कुमार जब चुनाव लड़ रहे थे उनके लिए टुकड़े–टुकड़े गैंग ने बेगूसराय में डेरा डाला हुआ था।

गाजा पट्टी में युद्ध विराम की जरूरत

आदित्य

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को, गाजा पट्टी में युद्ध और मानवीय पीड़ा पर विराम लगाने के लिए, तत्काल युद्धविराम लागू किए जाने और तमाम बन्धकों की तत्काल व बिना शर्त रिहाई की मांग करने वाला एक नया प्रस्ताव पारित कर दिया है। यह प्रस्ताव, दृढ़ता से शांति प्रयास एवं युद्ध विराम को लागू करना ही चाहिए। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी चाहिए। इन दोनों देशों को अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव–जाति की जीत होगी।

11 मार्च को शुरू हुए रमजान के महीने की करुण एवं मानवीय पुकार है, साथ ही, इसराइल पर हमलों के दौरान बन्धक बनाए लोगों में से शेष 130 लोगों को रिहा किए जाने की मांग है। हमास एवं इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देकर, शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह समय की नजाकत को देखते हुए जरूरी है और इस जरूरत को महसूस करते हुए दोनों देशों को अपनी–अपनी सेनाएं हटाने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। गाजा में विशाल स्तर पर उपजी आवश्यकताओं और जरूरतमन्द आबादी तक मानवीय सहायता पहुँचाएं जाने की भी जरूरत है, क्योंकि वहां के लोग भुखमरी के कगार पर पहुँच चुके है। छह महीने से जारी इस भयंकर जंग के दौरान यह पहला मौका है, जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का प्रस्ताव पारित किया है। यह इसलिए संभव हुआ कि अमेरिका ने इसे वीटो करने से परहेज किया। निश्चित रूप से सुरक्षा परिषद का यह प्रस्ताव विश्व जनमत से उपजे दबाव की अभिव्यक्ति है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध विराम देने के प्रस्ताव को बल देना चाहिए और इसे लागू करने के प्रयास करने चाहिए। पिछले सात अक्टूबर को हमास की ओर से किए गए आतंकी हमले के खिलाफ जब इस्राइल ने कार्रवाई की बात कही तो अमेरिका और भारत समेत तमाम देशों की सहानुभूति उसके साथ थी। लेकिन इस्राइल ने जिस तरह से गाजा में हवाई हमले शुरू किए और वहां से आम लोगों के हताहत होने की खबरें आने लगीं, उसके बाद यह आवाज तेज होती गई कि इस्राइल को अपने अभियान का स्वरूप बदलना चाहिए। अब तक गाजा में करीब 32 हजार लोगों के मारे जाने की खबरें हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। भारत हमेशा युद्ध–विरोधी रहा है, युद्ध–विराम की उसकी कोशिशें निरन्तर चलती रही है। किसी भी देश में यह भ्रम पैदा नहीं होना चाहिए कि भारत हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा है। भारत ने उचित ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को यह भी बता दिया है कि वह सभी संबंधित पक्षों के संपर्क में है और उनसे बातचीत की मेज पर लौटने का आग्रह कर रहा है। निस्संदेह, भारत को मानवता के पक्ष में शांति, युद्ध–विराम और राहत के प्रयासों में जुटे रहना चाहिए। भारत के ऐसे प्रयासों का ही परिणाम है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने युद्धविराम का ऐसा प्रस्ताव पारित किया है। गाजा पट्टी में हिंसक टकराव पर विराम लगाने के लिए सुरक्षा परिषद की कई बैठकें हो चुकी हैं, मगर फिलहाल यह सम्भव नहीं हो पाया है। नवम्बर 2023 में एक सप्ताह के लिए लड़ाई रोकी गई थी और गाजा से बंधकों और इस्राइल से फलस्तीनी बंदियों की अदला–बदली हुई थी। मगर, इसके बाद लड़ाई फिर भड़क उठी और इसमें तेजी आई है। गाजा में मृतक संख्या और भूख व कुपोषण से प्रभावित फलस्तीनियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसके मद्देनजर लड़ाई को जल्द से जल्द रोके जाने और मानवीय पीड़ा पर मरहम लगाने की मांग भी प्रबल हो रही है। दुनिया के किसी भी हिस्से में मानवता का इस तरह पीड़ित एवं मर्माहत होना शर्म की बात है। इस शर्म को लगातार ढ़ोते रहना शक्तिसम्पन्न एवं निर्णायक राष्ट्रों के लिये शर्मनाक ही है। अब एक सार्थक पहल हुई है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। समूची दुनिया और उसके देश हमास एवं इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध को विराम देने की अपेक्षा महसूस करते हुए लगातार मांग कर रहे हैं, लेकिन अफसोस की बात थी कि अलग–अलग देशों में हो रहे प्रदर्शनों में व्यक्त होती जनभावना एवं मानवता की पुकार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के रूप में बाहर नहीं आ पा रही थी। खुद अमेरिका इससे पहले गाजा युद्ध विराम से जुड़े तीन प्रस्ताव को वीटो कर चुका था। सोमवार को मतदान से अलग रहते हुए भी उसने इस प्रस्ताव को पारित होने दिया, जो उसके अब तक के रुख में अहम बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी रुख में आए इस कथित बदलाव पर इस्राइल ने भले ही तीखी प्रतिक्रिया जताई। इस्राइली पीएम नेतन्याहू ने इसी सप्ताह बातचीत के लिए अमेरिका जाने वाले एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के कार्यक्रम को रद्द करने की घोषणा कर दी। हालांकि अमेरिका ने अपने रुख में बदलाव से इनकार किया है, लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि अमेरिका का ताजा कदम इस बात का स्पष्ट संकेत है कि इस्राइल उसके समर्थन को तय मानकर न चले। भले ही अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की नाकामी ने अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक क्षेत्र में एक रिक्तता पैदा करते हुए संकट को गहराया है लेकिन अब अमेरिका के बदले रूख से युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होने की संभावनाएं हैं। अमेरिका के रुख में यह बदलाव और सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन फिर भी इनके संभावित परिणामों को लेकर अभी धुंधलके ही छाये हैं, किसी निष्कर्ष एवं निर्णायक मोड में पहुंचने की बात अभी जल्दबाजी ही प्रतीत हो रही है। हालांकि अभी बात इस्राइल और फलस्तीन के बेहद लंबे और जटिल विवाद की नहीं, बस गाजा में चल रहे युद्ध को बंद करने और बंधकों को रिहा करने की संभावनाओं तक सीमित है। लेकिन यह सीमित लक्ष्य भी तमाम अनिश्चितताओं से घिरा है। ऐसे में फिलहाल सिर्फ यह उम्मीद और अपील की जा सकती है।

एक चुनाव से शासन पर बेहतर ध्यान केंद्रित हो सकेगा

आसिफ

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली उच्च–स्तरीय समिति ने भारत को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव की प्रणाली पर लौटने का खाका प्रदान किया है, जो आधी सदी पहले पूरी तरह से बाधित हो गया था। एक साथ व्यवस्था लाने में शामिल संवैधानिक, प्रशासनिक और अन्य मुद्दों की व्यापक जांच के बाद, समिति ने सिफारिश की है कि यह प्रक्रिया संभवतः 2029 में लोकसभा चुनाव के साथ शुरू हो सकती है। कोविंद समिति की सिफारिशें आश्चर्यजनक नहीं हैं, क्योंकि कई अन्य संस्थानों और एजेंसियों ने चुनावों को एक साथ कराने के पक्ष में तर्क दिया है – जिसमें भारत का चुनाव आयोग, विधि आयोग, संविधान के कामकाज की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय आयोग, संसद की एक स्थायी समिति और शामिल हैं। नीति आयोग. हालाँकि ये सभी संस्थाएँ एक साथ चुनाव कराने की आवश्यकता पर सहमत थीं, लेकिन योजना के क्रियान्वयन पर उनके विचारों में काफी मतभेद था। हालाँकि, कोविन्द समिति की सिफारिशें समस्या का 360–डिग्री दृष्टिकोण प्रस्तुत करती हैं और इसे हल करने का सबसे व्यावहारिक तरीका क्या प्रतीत होता है, हालाँकि यह काफी जटिल है। समिति ने राजनीतिक दलों, नागरिकों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक विचार–विमर्श किया। राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में, छह में से केवल दो–भारतीय जनता पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी–ने एक साथ सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली विकसित करने के विचार का समर्थन किया। राज्य की पार्टियों में से 33 में से 13 को यह विचार पसंद आया, जबकि सात पार्टियां इसके खिलाफ थींय शेष 13 दलों ने तटस्थ रहना पसंद किया। दिलचस्प बात यह है कि भारत के चार पूर्व मुख्य न्यायाधीश– दीपक मिश्रा, रंजन गोगोई, शरद अरविंद बोबडे और उदय उमेश ललित– एक साथ चुनाव के पक्ष में थे, साथ ही उच्च न्यायालयों के 12 मुख्य न्यायाधीशों में से नौ भी थे जिन्होंने परामर्श में भाग लिया था। विभिन्न राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की सिफारिशों पर ध्यान देने के बाद, कोविंद समिति ने कहा, "भारत की आजादी के पहले दो दशकों के बाद चुनावों में एक साथ चुनाव न होने का अर्थव्यवस्था, राजनीति और समाज पर हानिकारक प्रभाव पड़ा है। प्रारंभ में, हर 10 साल में दो चुनाव होते थे। अब हर साल कई चुनाव होते हैं। इससे सरकार, व्यवसायों, श्रमिकों, अदालतों, राजनीतिक दलों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और बड़े पैमाने पर नागरिक समाज पर भारी बोझ पड़ा। इसलिए समिति ने सिफारिश की कि सरकार को एक साथ चुनावों के चक्र को बहाल करने के लिए ष्कानूनी रूप से टिकाऊ तंत्रष विकसित करना चाहिए। इस समन्वयन को लाने के लिए, पैनल ने सिफारिश की कि भारत के राष्ट्रपति, आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख को जारी अधिसूचना द्वारा, एक नियुक्त तिथि तय कर सकते हैंय उस तिथि के बाद और लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल की समाप्ति से पहले गठित सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल केवल लोकसभा के आगामी चुनाव तक की अवधि के लिए होगा। इसके बाद, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के सभी आम चुनाव एक साथ होंगे। दूसरे चरण में नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव इसी के साथ समन्वित होंगे। इसके अलावा, समिति ने कहा है कि यदि लोकसभा को समय से पहले भंग कर दिया जाता है, तो नए सदन के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जाने चाहिए, लेकिन इसका कार्यकाल भंग सदन के समाप्त न हुए कार्यकाल तक ही सीमित होगा। यदि संसद सुझाव के अनुसार संविधान और चुनाव कानूनों में संशोधन करती है, तो 2029 में नई लोकसभा के गठन के तुरंत बाद राष्ट्रपति की अधिसूचना के साथ समन्वय की प्रक्रिया शुरू हो सकती है, और राष्ट्रीय और राज्य चुनावों का संरेखण 2034 तक पूरा हो जाएगा। वास्तव में यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे अंतिम रूप देने में पूरा एक दशक लग गया, लेकिन यह इसके लायक है। जैसा कि कोविंद समिति ने बताया है, हमने आजादी के बाद से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के 400 चुनाव देखे हैं। यह वास्तव में दिमाग खराब करने वाला है और शासन एवं राष्ट्रीय प्रगति में एक बड़ी बाधा है। लोकतंत्र में लापरवाह राजनीतिक पैंतरेबाजी और चुनाव–उन्माद नहीं होना चाहिए जो नीतिगत पंगुता, शासन घाटे का कारण बनता है और सामान्य जीवन और आवश्यक सेवाओं के कामकाज को बाधित करता है। समिति ने कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की राय को सही ढंग से खारिज कर दिया हैय दोनों ने दावा किया कि यदि चुनाव एक साथ कराए गए, तो यह मौलिक रूप से अलोकतांत्रिकष होगा और संसदीय लोकतंत्र की जड़ पर हमला होगा। क्या किसी कांग्रेसी नेता के मुंह से ये तर्क निकालना झूठ है, जब संविधान का मसौदा तैयार करने वाले पार्टी के सभी दिग्गजों–जिनमें जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और राजेंद्र प्रसाद भी शामिल थे–ने 1950 और 1960 के दशक में एक साथ चुनाव कराने को मंजूरी दी थी। संविधान लागू होने के बाद पहले दो दशकों में यह प्रणाली पार्टी के अनुकूल रही। दूसरे, चुनावी आंकड़ों से पता चलता है कि लोग इन दिनों लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों में अलग–अलग तरीके से वोट करते हैं। हाल के वर्षों में दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, हिमाचल जैसे राज्यों से इसके दर्जनों उदाहरण हैं।

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित

लोकसभा चुनावों जैसे–जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी जिंदगियों में तांक–झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र–तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नजर आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र–निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है। नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला–शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे–जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी। हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल–बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल–बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप–प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई।

आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर।

यूक्रेनी शरणार्थियों का खुली बांहों से स्वागत किया

विनोद

यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के परिणामस्वरूप यूरोप में दशकों में सबसे बड़ा शरणार्थी संकट पैदा हो गया है, केवल दो सप्ताह में 2

मिलियन से अधिक यूक्रेनियन अपने देश से भाग गए हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) ने आगे बढ़कर यूक्रेनी शरणार्थियों का खुली बांहों से स्वागत किया, जो कुछ साल पहले सीरियाई शरणार्थियों के साथ उनके व्यवहार के बिल्कुल विपरीत था। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकवादी हमले के बाद पश्चिम एशिया में एक बार फिर संघर्ष छिड़ गया, जिसकी यूरोपीय संघ ने कड़ी निंदा की। इस घटना ने हिंसा के चक्र को फिर से शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप गाजा में मानवीय त्रासदी हुई। यूक्रेन में संघर्ष के जवाब में यूरोप ने एकता का प्रदर्शन किया और अपनी जिम्मेदारी तुरंत पूरी की। यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य सहायता प्रदान की और निरंतर सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। दोहरा मापदंड दोनों संघर्षों के कारणों और अभिनेताओं में महत्वपूर्ण अंतर के बावजूद, वे आपस में जुड़े हुए हैं, जिससे यूक्रेन और इजराइल–फिलिस्तीन के बीच अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुप्रयोग में दोहरे मानकों का संदेह पैदा होता है। यह धारणा, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों से, यूरोप को तरजीही उपचार और चयन–आधारित शरण के आरोपों को संबोधित करने की चुनौती देती है। यूरोप का वैश्विक प्रभाव मुख्य रूप से सॉफ्ट पावर पर निर्भर करता है, भले ही रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाए रखने के प्रयास किए जाते हैं। महाद्वीप की वैश्विक भूमिका सार्वभौमिक सिद्धांतों और मूल्यों की अटूट रक्षा पर आधारित है। अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानून के संरक्षक के रूप में, यूरोपीय लोग पश्चिम एशिया में होने वाली घटनाओं पर अपने रुख को दुनिया भर के साझेदारों और प्रतिद्वंद्वियों की जांच के दायरे में पाते हैं। प्रवासन का इतिहास प्रवासन और आप्रवासन नीतियों के संबंध में यूरोपीय संघ का इतिहास मानवीय चिंताओं, आर्थिक हितों और राजनीतिक वास्तविकताओं की एक जटिल परस्पर क्रिया को दर्शाता है। प्रारंभ में आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य के संघर्षों को रोकने के लिए गठित, यूरोपीय संघ ने धीरे–धीरे अपनी सीमाओं के भीतर और बाहरी क्षेत्रों से प्रवासन प्रवाह से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया। प्रारंभिक चरण में, प्रवासन नीतियां मुख्य रूप से आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों के भीतर श्रम की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित थीं। हालाँकि, जैसे–जैसे भू–राजनीतिक बदलाव और वैश्विक संकट सामने आए, जैसे कि मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में संघर्ष, यूरोपीय संघ को अनियमित प्रवासन, शरण चाहने वालों और अपने क्षेत्रों के भीतर सुरक्षा और अवसरों की तलाश करने वाले शरणार्थियों के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ा। इससे आम यूरोपीय संघ नीतियों का विकास हुआ जिसका उद्देश्य प्रवासन, शरण और सीमा नियंत्रण का प्रबंधन करना था, साथ ही सुरक्षा चिंताओं और घरेलू राजनीतिक हितों के साथ मानवीय विचारों को संतुलित करना भी था। समय के साथ, यूरोपीय संघ ने सदस्य देशों के बीच बोझ साझा करने, शरण चाहने वालों के अधिकारों की सुरक्षा, अनियमित प्रवासन की रोकथाम और प्रवासन प्रबंधन पर गैर–ईयू देशों के साथ सहयोग जैसे मुद्दों पर बहस, तनाव और नीति सुधार देखे हैं। समकालीन चुनौतियों का विश्लेषण करने, नीति प्रभावशीलता का आकलन करने और इस जटिल मुद्दे में शामिल विविध दृष्टिकोण और हितों को संबोधित करने के लिए यूरोपीय संघ की प्रवासन और आव्रजन नीतियों के ऐतिहासिक विकास को समझना आवश्यक है। ईयू का बहाना तो यूरोपीय संघ ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों को स्वीकार क्यों नहीं किया? एक निश्चित युद्ध से शरणार्थियों को प्राप्त करने के कथित सुरक्षा खतरे निर्णय लेने पर प्रभाव डाल सकते हैं। आतंकवाद, उग्रवाद और अन्य सुरक्षा चुनौतियों के बारे में चिंताएँ यूरोपीय संघ के सदस्य देशों की शरणार्थियों को स्वीकार करने की इच्छा को प्रभावित कर सकती हैं। यूरोपीय संसद की हालिया बैठक में, यूरोपीय संघ ने सभी यूरोपीय संघ और गैर–यूरोपीय संघ के नागरिकों की व्यवस्थित जांच की मांग की, जब वे यूरोपीय संघ की बाहरी सीमाओं से संघर्षरत देशों की यात्रा कर रहे हों और साथ ही तीसरे देश के नागरिकों पर भी जांच की जाए। ब्लॉक छोड़ना. प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि कट्टरपंथी व्यक्ति यूरोपीय संघ में भी अराजकता पैदा न करें। रूढ़ियों और कहानियों पर आधारित अंतर्निहित भेदभावपूर्ण व्यवहार रूस और इजराइल के प्रति यूरोपीय संघ की प्रतिक्रिया में स्पष्ट है। यूरोपीय संघ के अलग–अलग रुख का एक कारण भू–राजनीतिक निकटता भी है। ब्लॉक ने रूस–यूक्रेन युद्ध के बारे में अधिक चिंता व्यक्त की है क्योंकि यह संघर्ष राजनीतिक और भौगोलिक दृष्टि से कितना करीबी है। यूक्रेन के प्रति इसके समर्थन का प्रवासी प्रभाव है। चूंकि अधिकांश यूक्रेनी नागरिक यूरोप के अधिकांश लोगों के साथ दिखते हैं, इसलिए वे अधिक चौकस हैं। इस प्रकार, वे अपने यूरोपीय भाइयों के प्रति अधिक सहानुभूति रखते हैं। अधिकांश पूर्वी यूरोपीय देश सोवियत संघ के नियंत्रण में रहे हैं और इस प्रकार, यूक्रेन की दुर्दशा के प्रति सहानुभूति रख सकते हैं।

भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया की माता समाज सेवी सुशीला देवी के निधन पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

कायस्थ समाज ने सर्व सम्मति से होली मिलन समारोह किया स्थगित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय महासचिव भाजपा नेता राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया एडवोकेट की माता सुशीला देवी माताजी पत्नी स्व सन्तोषी बाबू के निधन पर कायस्थ समाज जौनपुर ने आज

एक शोक श्रद्धाजलि सभा कायस्थ महासभा 2150 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट के मियांपुर स्थित आवास पर समाज के लोगो ने अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित किया। कायस्थ महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि पूज्य सुशीला देवी माता जी ने जीवन भर समाज सेवा के लिए समर्पित रही माता जी ने शिक्षा के क्षेत्र में भी हजारों बच्चो को पढ़ाया आज उनके पढ़ाये बच्चो में भी शोक की लहर हैं। कायस्थ महासभा 5680 के जिलाध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव ने कहा की इनके पति स्व संतोष कुमार श्रीवास्तव संतोषी बाबू ने भी वकालत करते हुए काफी नाम कमाया था ।उन्होंने कहा कि माताजी सुशीला देवी में एक कुशल नेतृत्व की भी छमता थी उन्होंने ने आरएसएस की दुर्गा वाहनी में भी सफलता पूर्वक कार्य कर समाज की सेवा किया था। कल्याण समिति के अध्यक्ष दयाल सरन श्रीवास्तव ने माताजी सुशीला देवी श्रीवास्तव को श्रद्धाजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके बेटों ने अपनी माता जी के लिए जो किया वह शायद ही कोई कर सकता है । कायस्थ एकता मंच के जिलाध्यक्ष दयाशंकर निगम ने कहा कि माता–पिता का आशीर्वाद बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है माता जी का जाना कहीं ना कहीं अपूरणी क्षति है भगवान परिवार को शक्ति प्रदान करें ।राष्ट्रीय सचिव राकेश श्रीवास्तव साधु ने कहा कि माता–पिता के सेवा करने से उनके आशीर्वाद से ही पुत्र अच्छी मुकाम पर जाता है सभी को अपने माता–पिता की सेवा करनी चाहिए ।राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव ने कहा कि माता–पिता का आशीर्वाद हमेशा बच्चों के साथ रहता है सुशीला देवी माताजी जी समाजसेविका के रूप में बेहतर व्यक्तित्व की धनी थी ।राष्ट्रीय सचिव राजीव श्रीवास्तव राजू ने माताजी को अपने श्रद्धा श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि उन्हें ईश्वर अपने श्री चरणों में स्थान दें और अपना आशीर्वाद हम सबके ऊपर बनाए रखें की कामना किया। कायस्थ महासभा 2150 के जिला अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि उनका जाना हमारे समाज के लिए अपूरणीय छती है वह अपने जीवन काल से लेकर लंबे समय तक उन्होंने शिक्षा के साथ–साथ समाज के लिए भी बेहतर काम किया ।प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश दीपक श्रीवास्तव पत्रकार ने माताजी को नमन करते हुए कहा कि माता सुशीला देवी दीनदुखियों की सेवा में हमेशा तत्पर रहती थी व समाज को आगे ले जाने का कार्य किया ।बच्चा भैया ने जीवन पर्यंत अपनी माता की सेवा किया उन्हें कलयुग का श्रवण कुमार कहे तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस मुकाम पर बच्चा भैया के पहुंचने में माता जी का पूरा आशीर्वाद है। हम लोगों को भी इसी तरह अपने माता–पिता की सेवा करनी चाहिए ।वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रमोहन श्रीवास्तव व प्रदेश संगठन मंत्री गिरिजेश श्रीवास्तव ने कहा कि उनकी समाजसेवा से हम लोगों को भी सीख लेनी चाहिए और अपने माता–पिता की सेवा करनी चाहिए किया. प्रदेश उपाध्यक्ष अजय वर्मा अज्जू अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा माता का दर्जा कोई नहीं ले सकता है माताजी एक समाजसेविका के रूप में बेहतर व्यक्तित्व की धनी है उन्होंने बचपन से ही हमें पढ़ाया था और मैं उनके काफी नजदीक भी था। सभा को उपस्थित तमाम कायस्थ जनों ने भी अपने विचार रखे। अंत में 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया गया ।माताजी सुशीला देवी को तीन पुत्र तीन पुत्री हैं पुत्र में सुधीर श्रीवास्तव राजेश श्रीवास्तव बच्चा भइया दिलीप श्रीवास्तव है ।कायस्थ समाज जौनपुर ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि माताजी सुशीला देवी जी के निधन से इस साल होली मिलन समारोह स्थगित कर दिया गया है। श्रद्धाजलि अर्पित करने वालो में अनुराग श्रीवास्तव हरिश्चंद्र श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव गौरव श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव सुधीर अस्थाना अनुपम श्रीवास्तव आतिष श्रीवास्तव व उनके आवास पर शोक व्यक्त करने भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह अपने पदाधिकारी के साथ भाजपा लोकसभा प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह पूर्व विधायक डॉ हरेंद्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक दिनेश चौधरी एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु व्यपार मंडल के अध्यक्ष इंदु सिंह पत्रकार ओम प्रकाश सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव मिश्रा पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष हरीश चंद्र सिंह पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव सहित अनेक अधिवक्ता संघ के लोग भाजपा नेता कार्यकर्ताओ ने पहुचकर माता सुशीला देवी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। उक्त जानकारी प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

डायट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संपन्न हुआ सेमिनार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जनपद जौनपुर में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ.विनोद कुमार शर्मा द्वारा सरस्वती जी के प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन व माल्यार्पण द्वारा किया गया स सेमिनार में तिलकधारी महाविद्यालय के शिक्षा संकाय के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, श्री गांधी स्मारक त्रिवेणी पीजी कॉलेज बरदह आजमगढ़ के असिस्टेंट प्रोफेसर अवनीश विश्वकर्मा तथा श्री गांधी स्मारक त्रिवेणी पीजी कॉलेज बरदह आजमगढ़ के असिस्टेंट प्रोफेसर संजय कुमार यादव मुख्य वक्ता के रूप में अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये स सभी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर विस्तृत चर्चा परिचर्चा की स सेमिनार में प्रतिभागी के रूप में समस्त डी.एल.एड प्रशिक्षु व डायट प्रवक्ता, ए आर पी उपस्थित रहे।

उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से शिक्षा की कमियों को दूर किया जायेगा तथा इसे लागू करके शिक्षा को सकारात्मक दिशा दिया जाएगा। अंत में वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवीन्द्र नाथ ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार प्रकट किया स कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन मनोविज्ञान प्रवक्ता डॉ. सोनू भारती द्वारा किया गया स कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

टीबी मरीजों को पोषाहार के साथ स्वावलंबी बनाने में मदद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति द्वारा जनवरी और फरवरी माह में गोद लिए गए करीब 60 टीबीरोगियों को पोषाहार किट का वितरण बृहस्पतिवार को संस्था मुख्यालय पर किया गया कार्यक्रम में मेडिकल अफसर डॉक्टर श्रुति पांडे ने टीबी रोगियों से बातचीत के दौरान उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा की हां हम टीबी खत्म कर सकते हैं अगर समय से टीबी की दवा एवं पोषाहार लेते रहे तो जल्दी ही टीबी मुक्त हो जाएंगे संस्था प्रमुख डॉक्टर अंजू सिंह ने बताया की मरीजों को पोषाहार वितरण के साथ–साथ उनकी देखभाल भी हो जाती है उनकी कोई प्रॉब्लम रहती है तो स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से उसे दूर करने की कोशिश की जाती है साथ ही उन्होंने कहा की संस्था द्वारा टीबी मरीजों को वोकेशनल ट्रेनिंग के द्वारा स्वावलंबी बनाने में भी मदद की जा रही है टीबी कार्यक्रम में उपस्थित सभी मरीजों ने पहले से स्वास्थ्य में सुधार की बात कही इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने टीबी के खात्मे के लिए प्रण लिया संचालन शुभम सिंह ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम कंचन द्वारा प्रस्तुत किया गया।

विद्यार्थियों का विदाई समारोह हुआ संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कंपोजिट विद्यालय सिद्दीकपुर में बृहस्पतिवार को कक्षा आठवीं के छात्र छात्राओं को समारोह आयोजित कर विदाई दी गई ।विदाई समारोह के मुख्य अतिथि ए आर पी संदीप चौधरी ने बताया कि विद्यार्थी जीवन में आपकी समस्याओं के लिए शिक्षक शिक्षिकाएं होते हैं। इस क्रम में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका वैदेही सखी ने विद्यालय त्याग करने वाले बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की, उन्होंने कहा कि आज 37 छात्र छात्राओं की विदाई दी गई ।गणित अध्यापक इंदु प्रकाश यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की मेहनत करें और ऊंचाई तक जाने के साथ ही एक अच्छा इंसान बने ।इस मौके पर सहायक अध्यापिका मनभावती वर्मा , विजयनंदिनी, कादंबरी कुशवाहा, सोनम सिंह, रितु सिंह एवम विद्यालय के समस्त छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। इसके लिए सभी अपने अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वाह करें – जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)
जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा कार्यालय पहुंच लोकसभा चुनाव जीतने को लेकर हरदोई व मिश्रिख की लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक कर रणनीतियों पर चर्चा की, जिसमें जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन एवं लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के पदाधिकारी रहे मौजूद। बैठक में जलशक्ति मंत्री ने कहा कि लोकसभा संचालन समिति के पदाधिकारियों के कंधों पर लोकसभा की 2 सीटें जीताने की बड़ी जिम्मेदारी है। चुनाव सिर पर है, इसलिए पूरे दम–खम के साथ पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि जिले की 2 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाना है और तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। इसके लिए सभी अपने अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वाह करें। जलशक्ति मंत्री की अलग–अलग हर विभाग के लोकसभा चुनाव के प्रमुख और सह प्रमुख से चुनाव पर चर्चा हुई। लोकसभा संयोजक मिश्रिख अशोक सिंह और लोकसभा संयोजक हरदोई प्रीतेश दीक्षित बैठक में मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्री ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से लाभार्थी संपर्क अभियान का फीडबैक लिया और कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी घर–घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी पार्टी के हरेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की है और पार्टी के पक्ष में माहौल बनाना है। जिससे तीसरी बार 400 पार के लक्ष्य को पूरा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने। इस बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष राम बहादुर सिंह पीके वर्मा जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा जिला मंत्री अविनाश पांडे नीतू चंद्रा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता सत्यम शुक्ला आईटी एवं सोशल मीडिया के संयोजक क्रमशः सौरभ सिंह गौर प्रद्युम्न आनंद मिश्र मौजूद रहे।

बुजुर्ग समाज के वटवृक्ष हैं जो हर मौसम मे हमे वात्सल्य पूर्ण छाया प्रदान कर करते हैं – सुधाकर दुबे

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)
परिवार बुजुर्ग ही अर्जित बहुमूल्य सम्पत्ति है जिसके अभाव में जीवन नीरस हो जाता है वह समाज के वटवृक्ष है जो हर मौसम मे हमे वात्सल्य पूर्ण छाया प्रदान कर करते हैं साथ ही अपने अनुभव रूपी ज्ञान से अभिसिंचित करते हैं। उक्त कथन श्री सुधाकर दुबे अपर जिला जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदोई ने वृद्धाश्रम के औचक निरीक्षण में कहे। श्री दुबे जी कहा कि वर्तमान समय में वृद्धाश्रम महत्वपूर्ण सेवा के केन्द्र हैं। जनपद में निराश्रित बुजुर्ग के लिये जीवन के अन्तिम पलो मे यह सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम वरदान से कम नहीं है । यहां रहने वाले बुजुर्ग के चहरे मुस्कान संस्थान द्वारा परिवारिक वातावरण मे सेवा की स्वतः द्योतक है। यह संस्था वरिष्ठ नागरिको के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य कर रही है। समाज कल्याण विभाग के श्री नन्दकिशोर जी ने वृद्धाश्रम मे रहने वाले सभी संवासियो के वृद्धावस्था पेंशन की जानकारी ली साथ ही शीघ्र ही जिनको किसी भी कारण से पेंशन नही माल रही समाज कल्याण विभाग पेंशन दिलायेगा। इस अवसर पर आश्रम प्रबन्धक शीला जयसवाल ने बताया कि विगत वर्षो की तरह इस बार 29 अप्रैल 2024 को सीतापुर आँख अस्पताल, सीतापुर द्वारा नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा जा रहा है। पारुल गुप्ता, आदित्य कुमार , पूजा, आदि समस्त कार्यकर्ता तथा आश्रम संवासी उपस्थित रहे।

होली हमारे जीवन में प्रसन्नता, ऐश्वर्य और ईश्वर भक्ति के रंग लेकर आए – डा. एम एल गुप्ता

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा ने फूलों की होली खेलकर होली मिलन समारोह मनाया।

इस अवसर पर समाजसेवी डॉ एम एल गुप्ता ने कहा कि होली हमारे जीवन में प्रसन्नता, ऐश्वर्य और ईश्वर भक्ति के रंग लेकर आए। कार्यक्रम में डॉक्टर श्री प्रकाश गुप्ता एवं डॉक्टर मुरारी लाल गुप्ता ने श्री गणेश के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसी के साथ ही कार्यक्रम के आयोजक ,संयोजक एवं मंडल अध्यक्ष महेंद्र सिंह राणा एवं उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना गुप्ता शाहबाद नगर अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी ओमर एवं उनकी टीम ने गणपति आरती करके कार्यक्रम का शुभारंभ करवाया। कार्यक्रम में सजातीय बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया तथा बाहर से आई बड़े बालाजी की टीम ने आकर्षक बालाजी महाराज एवं श्री कृष्ण राधा के गीतों पर मनमोहक नृत्य किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी जी भी उपस्थित रही और उन्होंने कार्यक्रम की सुंदर शब्दों में सराहना की। होली मिलन उत्सव में अखिल भारतीय सर्व वैश्य एकता महासभा की हरदोई मंडल टीम से बॉबी ओमर एवं संगीता गुप्ता तथा शाहजहांपुर टीम से रीता रानी गुप्ता , कुमुद गुप्ता, प्रभा गुप्ता एवं संतोष गुप्ता भी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों को संरक्षिका विभा गुप्ता ,अनीता गुप्ता ,मीनू गुप्ता एवं शशि गुप्ता ने शाल पच्हनाकर एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर हमारे क्षेत्र के सांसद जयप्रकाश रावत जी भी उपस्थित रहे और उन्होंने होली मिलन कार्यक्रम का आनंद लिया एवं सभी को बधाइयां प्रस्तुत की। अंत में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह राणा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और बताया की हर वर्ष इस तरीके के कार्यक्रम होते रहते हैं जिससे कि समाज में एकता का समागम होता है। इस अवसर पर सभी पदाधिकारी ने भाग लिया उदय गुप्ता ऑडिटर सुवीन गुप्ता व आलोक गुप्ता जितेन्द्र गुप्ता, तरंग गुप्ता, राजेश गुप्ता ,श्याम जी गुप्ता, विशाल गुप्ता ने शाहजहांपुर से आए जिला अध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता महानगर अध्यक्ष राजीव गुप्ता जी का भी सम्मान किया। महामंत्री प्रिंस गुप्ता का विशेष योगदान रहा। नगर के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्ति श्री जयप्रकाश गुप्ता एडवोकेट, वसंत गुप्ता एडवोकेट,रामेश्वर दयाल गुप्ता अमित कुमार गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, आदेश कुमार गुप्ता,अमन गुप्ता, दीपक गुप्ता ,सचिन गुप्ता, अर्जुन गुप्ता उपकर्ष गुप्ता एवं अखिल भारतीय वैश्य एकता महासभा की पूरी टीम उपस्थिति रही।

निराश्रित बुजुर्ग के लिये जीवन के अन्तिम पलो मे यह सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम वरदान से कम नहीं है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। परिवार बुजुर्ग ही अर्जित बहुमूल्य सम्पत्ति है जिसके अभाव में जीवन नीरस हो जाता है वह समाज के वटवृक्ष है जो हर मौसम मे हमे वात्सल्य पूर्ण छाया प्रदान कर करते हैं। साथ ही अपने अनुभव रूपी ज्ञान से अभिसिंचित करते हैं। उक्त कथन श्री सुधाकर दुबे अपर जिला जज एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हरदोई ने वृद्धाश्रम के औचक निरीक्षण में कहे। श्री दुबे ने कहा कि वर्तमान समय में वृद्धाश्रम महत्वपूर्ण सेवा के केन्द्र हैं । जनपद में निराश्रित बुजुर्ग के लिये जीवन के अन्तिम पलो मे यह सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान द्वारा संचालित वृद्धाश्रम वरदान से कम नहीं है ।यहां रहने वाले बुजुर्ग के चहरे मुस्कान संस्थान द्वारा परिवारिक वातावरण मे सेवा की स्वतः द्योतक है। यह संस्था वरिष्ठ नागरिको के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य कर रही है। समाज कल्याण विभाग के श्री नन्दकिशोर जी ने वृद्धाश्रम मे रहने वाले सभी संवासियो के वृद्धावस्था पेंशन की जानकारी ली साथ ही शीघ्र ही जिनको किसी भी कारण से पेंशन नही माल रही समाज कल्याण विभाग पेंशन दिलायेगा। इस अवसर पर आश्रम प्रबन्धक शीला जयसवाल ने बताया कि विगत वर्षो की तरह इस बार 29 अप्रैल 2024 को सीतापुर आँख अस्पताल, सीतापुर द्वारा नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा जा रहा है। पारुल गुप्ता, आदित्य कुमार , पूजा, आदि समस्त कार्यकर्ता तथा आश्रम संवासी उपस्थित रहे।

स्थानीय संपादक की पत्नी का निधन पत्रकारों में शोक की लहर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। दैनिक अखबार पूर्वांचल लाइफ के स्थानीय संपादक मनीष श्रीवास्तव की पत्नी प्रतिमा श्रीवास्तव का बुधवार को इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में निधन हो गया ।वो काफी दोनो से बीमार चल रही थी। निधन की खबर से पत्रकारो में शोक की लहर दौड़ गई है। पत्रकार के संघर्ष के संगिनी के तौर पर साथ निभाने वाली प्रतिमा के जाने पर पत्रकारों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। वे 42 वर्ष की थी बुधवार को उनके शव को उनके निजी आवास इशापुर से रात 9 बजे मुक्तिधाम राम घाट ले जाया गया उनका अंतिम संस्कार किया गया ।मुखाग्नि पति मनीष श्रीवास्तव ने दिया। सभी पत्रकारों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रतिमा श्रीवास्तव को पत्रकार के संघर्षों का साथी बताया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया ।घाट पर पहुँच कर तमाम लोगो डॉक्टर समाजसेवी व अन्य संभ्रांत लोगो ने मृत आत्मा के प्रति शोक जताया।

चुनाव से पहले राजनीति पतझड़ जोरों पर – खोसला

नई दिल्ली (अम्बरीष कुमार सक्सेना) दिल्ली प्रदेश नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने कहा कि पतझड़ के मौसम में पेड़ पौधों पर पुरानी पत्तियां टूट कर नहीं पत्तियां आ रही है और पेड़ पौधे हर तरफ हरे हरे नजर आते हैं इस प्रकार 2024 लोकसभा चुनाव से पहले दलों के सांसद विधायक अपने–अपने दलों से टूटकर अपने आप को भारी भरकम कहे जाने वाले पेड़ पर जा रहे हैं चाहे उन्होंने जितना भी भ्रष्टाचार किया खोसला ने कहा कि भारत की जनता को पतझड़ के दौरान होने वाले दल बदल कर जनता के साथ धोखा करने वाले जनप्रतिनिधियों को सबक सिखाना चाहिए कि वह आज दूसरे दल में जाते ही पहले वाले दल को हर प्रकार की खरी खोटी कहते हैं और दूसरे दल में जाने के बाद उसी के ही गुणगान करने लग जाते हैं भारत की जनता अब जागरुक हो चुकी है इन सबको मुंहतोड़ जवाब देने के लिए आज दिल्ली के मुख्यमंत्री जेल से ही सरकार चला रहे हैं भारत सरकार को चाहिए कि दिल्ली के सभी नागरिकों को भी जेल में भेज देना चाहिए क्योंकि जेल से ही मुख्यमंत्री फरमान दे रहे हैं दिल्ली को अपने राहनवा कहाने वाला भारी भरकम भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में है और वह कह रहे हैं

कि हमने कुछ नहीं किया जबकि सरकारी आवास में भी 50 करोड रुपए से भी ज्यादा खर्च कर दिए जरूरत से ज्यादा दम लेकर टिकट बेचने का आरोप भी है

दिल्ली की जनता क्या सोच रही है आने वाले चुनाव में सोच समझकर उम्मीदवार का चयन करें जो आपकी बात सुने जिससे आप मिल सके क्योंकि चुनाव जीतने के बाद कोई भी जनप्रतिनिधि जनता से मिलने की वजह दूरियां बढ़ा देता है।

अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह सम्पन्न

अयोध्या। अयोध्या कायस्थ विकास संस्थान द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह बुधवार की शाम शहर के गुलाब बाड़ी मैदान के सामने जौहरी आवास पर हर्षोल्लास

पूर्वक सम्पन्न हुआ।इस मौके पर भारी संख्या में कायस्थ समाज के लोग एकत्र होकर होली पर्व पर बधाइयां देकर समाज में रिश्तों की डोर मजबूत करते नजर आए।वही पारंपरिक होली गीतों के बीच मस्ती करते लोगों ने लजीज व्यंजनों का भी जमकर लुफ्त उठाया।इस मौके पर रंगारंग कार्यक्रम से पहले भगवान चित्रगुप्त की स्तुति और आरती का कार्यक्रम विधि विधान से किया गया।आरती के उपरांत लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर सद्भावना का खूब रंग बिखेरा।वही सारे गिले शिकवे मिटाकर एक दूसरे से लोगों ने गले लगाया।इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से सामाजिकता की डोर मजबूत होने के साथ साथ एक दूसरे को जानने और समझने का मौका भी मिलता है।संगठन समाज को जोड़ने के लिए ऐसे कार्यक्रम समय–समय पर करता रहता है।संस्थान के उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि समय के साथ समाज की सोच बदल रही है।इस मौके पर महामंत्री प्रतीक श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव,दीपक श्रीवास्तव,ऋषभ श्रीवास्तव,वैभव श्रीवास्तव,रानू श्रीवास्तव,मोना श्रीवास्तव,अंजू श्रीवास्तव,अंशिका श्रीवास्तव,भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव,सुशील बहादुर जौहरी, सपना जौहरी,किरन सक्सेना, पदमकांत सक्सेना, हर्षिता सक्सेना, सीमा श्रीवास्तव, अनामिका सिंह समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

डायट में सड़क सुरक्षा एवं संरक्षा विषय पर आयोजित हुआ सेमिनार

अयोध्या। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या द्वारा सड़क सुरक्षा एवं संरक्षा विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया था।इस मौके पर मुख्य अतिथि एआरटीओ आर पी सिंह एवं विशिष्ट अतिथि यातायात उप निरीक्षक दिलीप कुमार दुबे ने संयुक्त रुप से मां सरस्वती पर फूल एवं माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में डायट प्राचार्य जे पी सिंह ने सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।उप निरीक्षक दिलीप कुमार दुबे ने वहां पर मौजूद लोगों को ट्रैफिक नियम की जानकारी दिया। कार्यक्रम में आर टी ओ प्रशासन आरपी सिंह ने ट्रैफिक नियमों का विस्तृत जानकारी एवं नियमों के पालन के बारे में बताया गया।सेमिनार में वरिष्ठ प्रवक्ता लालचंद ,प्रभारी वरिष्ठ प्रवक्ता कांति वर्मा ,प्रवक्ता डॉ ज्ञानेंद्र सिंह एवं अन्य प्रवक्तागण तथा डी एल एड के प्रशिक्षु उपस्थित रहे ।

राम जन्मभूमि सुरक्षा व रामनवमी की तैयारी को लेकर मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक ने की समीक्षा बैठक

अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व आगामी राम नवमी मेले की तैयारियो को लेकर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने मंदिर परिसर में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक किया। इस बैठक में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने संयुक्त रुप से कहा कि राम नगरी में रामलला का दर्शन पूजन करने आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं में किसी भी तरह की कमी नहीं आये। उन्होंने वहां पर मौजूद सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां पर तैनात सभी पुलिस कर्मी आने वाले श्रद्धालुओं से मित्रवत व्यवहार करे।पुलिस कर्मी व स्थानीय लोग श्रद्धालुओं से ऐसा गलत व्यवहार न करें कि जिससे अयोध्या की छवि दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के माध्यम से धूमिल न हो। श्रद्धालुओं को रामलला का दर्शन यहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा सुगमता से कराया जाये। जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो। इस मौके पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र व पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने आगामी रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहरने की उचित व्यवस्था,पेयजल की व्यवस्था,मेडिकल व्यवस्था व अन्य सभी व्यवस्थाएं पहले से ही पूरी करने का निर्देश दिये। जिससे कि रामनवमी पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।उन्होंने बताया कि इस बार 17 अप्रैल को रामनवमी मेला पर्व पर लगभग 50 लाख श्रद्धालुओ के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।इन दोनों अधिकारियों ने बताया कि इस बार और भव्य और दिव्य मंदिर में पहली बार रामनवमी मनाई जाएगी। वही भीड़ को नियंत्रित के लिए मुख्य सचिव व डीजीपी ने वहां पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इस दौरान किसी भी तरह की कोई लापरवाही न हो। वही इस मौके पर आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि सभी निर्देशों का पालन कराया जाएगा।

बैठक में एडीजी जोन अमरेंद्र कुमार सेंगर, कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम नीतीश कुमार,एसएसपी राज करन नय्यर व ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद भी रहे।

कोतवाली नगर क्षेत्र में चोरों ने बीती रात दो–दो चोरी की अंजाम देकर पुलिस को दी खुली चुनौती

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र में चोरो ने दो दो चोरी की वारदात कर पुलिस के कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा दिया है।बताते चलें कि जहां एक ओर पुलिस कर्मी अपने अपने क्षेत्रों में गस्त कर अपनी पीठ थपथपाने में लगे हैं वही पुलिस गस्त के बावजूद बीती रात कोतवाली नगर क्षेत्र में अलग अलग चौकी क्षेत्रों में दो दो चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे दिया।बताते चलें कि बीती रात कोतवाली नगर क्षेत्र के पुलिस चौकी रिकाबगंज में स्थित बलदेव प्लाजा में स्थित ए एच आयुर्वेदिक दवाओं के थोक दुकान से चोरी हो गई।चोरो ने गैस कटर से ताला काट कर चोरी को अंजाम दिया।एजेंसी के मालिक ने बताया कि चोरो ने लगभग 40 हजार रुपए ले गये।घटना की सूचना मिलते ही सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह टीम प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पाण्डेय के मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गए। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पाण्डेय ने बताया कि मौके पर पता चला कि उक्त एजेंसी पर तैनात गार्ड भोर में मौके से कही चला गया था। वही सीसीटीवी कैमरा भी बंद था। फिलहाल इस मामले में पीड़ित द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।वही दूसरी अन्य चोरी की घटना कोतवाली नगर क्षेत्र के ही देवकाली पुलिस चौकी क्षेत्र में स्थित स्मार्ट बाजार के सामने शक्तिनगर कालोनी में की है।जहां पर देर रात बाहर खड़ी मारुति अल्टो कार को चोर उठा ले गए।चोरी की गई कार अयोध्या मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंक मे वरिष्ठ प्रबंधक पद की बताई जा रही है।

इस संबंध में भी प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पाण्डेय ने बताया कि पीड़ित द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल चाहे जो भी हो चोरों ने लगातार एक के बाद एक चोरी,छिनैती,लूट सहित अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं।

दलित युवक की मौत के मामले में आखिरकार चार आरोपियों के खिलाफ हत्या की दर्ज की रिपोर्ट

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भिखारीपुर गांव निवासी दलित युवक सुनील की संदिग्ध हाल में हुई मौत के मामले में पुलिस ने आखिरकार चार आरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।यह रिपोर्ट मृतक युवक के पत्नी की शिकायत पर दर्ज की गई है।युवक का शव मिलने के बाद परिजनों और क्षेत्रीय लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था और हत्या किये जाने का आरोप लगाया था।बताते चलें कि मंगलवार को को दिन में थाना क्षेत्र के भिखारीपुर गांव निवासी दलित युवक सुनील कुमार 40 वर्ष पुत्र संतराम का शव मोइया कपूरपुर गांव स्थित एक मकान के पास पाया गया था। मामले की जानकारी के बाद हत्या कर शव फेंके जाने का आरोप लगाते हुए परिजनों तथा क्षेत्रीय लोगों ने मसौधा–सोहावल तहसील मार्ग जाम कर घंटों प्रदर्शन किया था।मौके पर पूराकलंदर पुलिस के अलावा दो अन्य थानों की पुलिस फोर्स को बुलाना पड़ा था और उप जिलाधिकारी सोहावल अशोक सैनी व सीओ सदर संजीव कुमार सिंह ने मान मनौव्वल कर परिजनों तथा भीड़ के आक्रोश को शांत कराया था तथा निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित परिवार की हर संभव मदद का आश्वासन दिया था।इसके बाद बुधवार को शव का डाक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया था। अंतिम संस्कार के बाद मृतक की पत्नी ऊषा देवी की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई।मृतक के परिजनो का आरोप है कि थाना क्षेत्र के ही तिवारी पुरवा निवासी दीना नाथ तिवारी, इनके पुत्र सोमू, राहुल तथा पड़ोसी जनपद गोंडा निवासी एक अज्ञात व्यक्ति ने दौड़ा कर लोहे के रॉड से हमला कर पति सुनील को मौत के घाट उतार दिया।इस संबंध में थाना प्रभारी रतन कुमार शर्मा ने बताया मृतक के पत्नी की शिकायत पर बाप–बेटे समेत तीन को नामजद करते हुए कुल चार लोगों के खिलाफ हत्या और धमकी तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है।फिलहाल पुलिस को पोस्ट मार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।मामले के सभी पहलुओं की जाँच–पड़ताल कराई जा रही है।

साइबर ब्रांच टीम ने साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

अयोध्या। साइबर क्राइम टीम ने लाइफ टाइम फ्री क्रेडिट कार्ड बनवानें का झाँसा देकर ग्राहकों के डिटेल में बदलाव और छेड़छाड़ कर के लोगों के कार्ड मे मौजूद लाखो रुपये साफ करनें वाले दो शातिर साइबर ठगो को गिरफ्तार किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम इस मामले की खुलासे के लिए टीम का गठन किया था।गिरफ्तार किये गये आरोपियों में अंकित मिश्रा पुत्र राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा निवासी चौहान का पुर्वा मऊ थाना हैदरगंज तथा अमित मिश्रा पुत्र रामचन्द्र मिश्रा निवासीगण चौहान का पुर्वा मऊ थाना हैदरगंज अयोध्या के रुप में हुई।इन दोनों आरोपियों को साइबर ब्रांच की टीम ने खजुरहट थाना बीकापुर जनपद अयोध्या से गिरफ्तार किया।

लखनऊ विश्व विद्यालय के 10 छात्रों का विप्रो कंपनी मे हुआ प्लेसमेंट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ विश्व विद्यालय के अभियांत्रिकीय एवम् तकनीकी संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में 10 छात्र–छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट विप्रो कंपनी मे हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह ने बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया। प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि विप्रो कंपनी के तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव मे बीबीए के 4 छात्रों (वत्सला श्रीवास्तव,आलोक कुमार ओझा, स्टालिन विक्टर, आकाश गुप्ता) तथा बी.कॉम के 3 छात्रों (सिद्धांत मिश्रा, शाश्वत रस्तोगी एवं अंजलि भारद्वाज) एवं बीसीए के 3 छात्रों (अंशिका थापा, विकास कुमार, विकेश मौर्य) का चयन 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ। तृतीय चरण के कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के बाद विप्रो मे विश्वविद्यालय के कुल चयनित छात्रों की संख्या 25 हो गयी है।

साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए विप्रो कंपनी मे जॉब के लिए, चतुर्थ चरण की फिजिकल कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन अप्रैल के द्वितीय सप्ताह मे लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय मे किया जायेगा।

भारत और नेपाल के बीच के आर्थिक संबंध का ऐतिहासिक इतिहास है और आपस में किए गए कई एग्रीमेंट से आपस के संबंध बहुत मजबूत हुए है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एंबेसी ऑफ नेपाल, न्यू दिल्ली ने लखनऊ में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य इंडो नेपाल इकनॉमिक कोऑपरेशन के संदर्भ में संभावनाओं को तलाशना था।

इस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि भारत में नेपाल के राजदूत, नेपाल इकनॉमिक मंत्री, अध्यक्ष एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री आफ उत्तर प्रदेश एंड उत्तराखंड और अन्य चौंबर्स, पर्यटन उद्योग, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, बैंकर्स और इन्वेस्टर्स प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भारत में नेपाल के राजदूत डॉक्टर शंकर प्रसाद शर्मा ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच के आर्थिक संबंध का ऐतिहासिक इतिहास है और आपस में किए गए कई एग्रीमेंट से आपस के संबंध बहुत मजबूत हुए है। उन्होंने कहा कि पर्यटन व्यवसाय, अन्य ट्रेड व्यापार में आपस में दोनो देश को व्यापार करने की असीम संभावनाएं है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसोसिएटेड चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री आफ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अध्यक्ष इंजीनियर डी. पी. सिंह ने इस तरह के कार्यक्रम का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य भारत की तरफ से नेपाल का पड़ोसी राज्य है, इस कारण उत्तर प्रदेश इस इकनॉमिक कोऑपरेशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और पर्यटन व्यवसाय, व्यापारिक ट्रेड, कृषि संबंधित व्यवसाय, सिंचाई प्रोजेक्ट्स, सूर्य ऊर्जा प्रोजेक्ट्स, एजुकेशनल स्कॉलरशिप और एक्सचेंज प्रोग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने विभिन्न भारतीय उद्यमियों से नेपाल में व्यवसाय को करने का पहल करने की राय देते हुए कहा कि साथ ही नेपाल के उद्यमियों को भी उत्तर प्रदेश में अपने व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास करने का भी सुझाव दिया। मंत्री तारा नाथ अधिकारी ने नेपाल में इन्वेस्टमेंट, ट्रेड और टूरिज्म की संभावनाओं पर अपने देश का एक महत्वपूर्ण विषयगत प्रस्तुतिकरण दिया एवम उपस्थित उद्यमियों और चौंबर के प्रतिनिधियों को आगामी 28 और 29 अप्रैल 2024 में होने वाले नेपाल इन्वेस्टमेंट समिट में आने का निमंत्रण दिया। इस आयोजन को अन्य चौंबर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने भी सम्बोधित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के ऑनलाइन शिक्षा बीकॉम तथा एमकॉम के प्रवेश प्रक्रिया तिथि के संबन्ध मे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत में उच्च शिक्षा सर्वसुलभ हो, इस स्वप्न को वास्तविकता में परिणित करने हेतु तथा शिक्षा के के क्षेत्र में नित्य नवीन आयाम जोड़ने हेतु शताधिक वर्षीय लखनऊ विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन शिक्षा प्रोग्राम LUCODE का शुभारम्भ फरवरी 2024 से कर दिया है। लखनऊ विश्वविद्यालय जो की NAAC A++ तथा कैटेगरी 1 विश्वविद्यालय है, को वदसपदम मकनबंजपवद हेतु दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। इन उपाधियों की मान्यता विश्वविद्यालय की रेगुलर उपाधियों के समकक्ष है। वर्ष 2023 – 24 के फरवरी 2024 से प्रारम्भ होने वाले सेमेस्टर में B.Com तथा M.Com ऑनलाइन एजुकेशन प्रोग्राम के प्रथम सेमेस्टर के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया सोमवार मार्च 18, 2024 से ऑनलाइन आरम्भ हो गयी है। B.Com उपाधि हेतु रजिस्ट्रेशन फीस रू250/ तथा शिक्षा शुल्क रू5000/प्रति सेमेस्टर है । इसी प्रकार M.Com हेतु रजिस्ट्रेशन फीस रू250/ ही है तथा शिक्षा शुल्क रू8000/ प्रति सेमेस्टर है। दोनों कक्षाओं हेतु पंजीयन करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च है। 'जो अभ्यर्थी 31 मार्च, 2024 तक रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करेंगे वे 02 अप्रैल 2024 तक शिक्षा शुल्क जमा कर सकते है।

यू जी सी के नियमानुसार इस तिथि के उपरान्त प्रवेश बन्द कर दिए जायेंगे, भारत देश के सभी विद्यार्थियों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु यह सुविधा प्रदान की जां रही है।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने राजधानी से शुरू किया मतदाता जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से मतदाता जागरूकता अभियान की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय पर व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने संगठन के पदाधिकारियो को अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई तथा व्यापारियों ने स्वयं वोट देने तथा दूसरों को वोट देने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। शपथ कार्यक्रम के बाद संगठन के पदाधिकारियो ने अयोध्या रोड की दुकानों पर पदयात्रा निकालकर जनसंपर्क किया तथा व्यापारियों को अनिवार्य रूप से मतदान के लिए जागरूक किया। संगठन अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का प्रयास है कि लोकसभा के इस चुनाव में अधिक से अधिक मतदान का प्रतिशत बढ़े तथा शत–प्रतिशत मतदान के लिए आदर्श व्यापार मंडल राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाएगा उन्होंने बताया मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत पदयात्रा, मशाल जुलूस, पैदल मार्च मतदाता जागरूकता रैली एवं जनसंपर्क के माध्यम से अधिक से अधिक वोट डालने के लिए प्रयास करेगा उन्होंने कहा जो लोग वोट नहीं डालते हैं उन्हें सरकार को पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है लोकतंत्र में सबसे बड़ा अधिकार जनता के पास मतदान का अधिकार है सभी को अनिवार्य रूप से मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। शपथ कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल ट्रांस गोमती प्रभारी मनीष पांडे ब्रह्म प्रकाश अवस्थी ,प्रवीण मिश्रा, श्याम सुंदर अग्रवाल ,अमिताभ श्रीवास्तव ,कमल अग्रवाल ,मनोज अग्रवाल ,सुभाष कुमार, राजेश गुप्ता

,सुमित सिंह, कृष्ण वीर सिंह, बंटू ,दीपक चौहान, अनिला अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल थे।

ईसाई समुदाय जश्न मनाएगा 31 मार्च 2024 को ईस्टर पर्व

लखनऊ। शहर में ईसाई समुदाय अपने विश्वास का सबसे महत्वपूर्ण पर्व 'ईस्टर', 'प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान का पर्व' मनाने की तैयारी कर रहा है! ईस्टर में समाप्त होने वाला पवित्र सप्ताह 24 मार्च 2024 को पाम संडे से शुरू हुआ, जब ईसाइयों ने क्रूस पर चढ़ने

से पहले प्रभु यीशु के यरूशलेम में अंतिम प्रवेश की याद में पाम या जैतून की शाखाओं के साथ एक जुलूस निकाला। दावत का पारंपरिक ईस्टर ट्रिडुम (तीन दिन) पवित्र गुरुवार से शुरू होता है, जिसे 28 मार्च 2024 को मौंडी जीनतेकंल भी कहा जाता है। शाम को एक पवित्र यूखरिस्ट (पवित्र मिस्सा) मनाया जाएगा, जिसके दौरान बिशप जेराल्ड जॉन मैथियास 12 चर्च के सदस्य के पैर धोएंगे, प्रभु यीशु मसीह के उदाहरण के बाद, जिन्होंने अपने स्वयं के क्रूस पर चढ़ने से पहले प्रेम और विनम्रता का यह कार्य किया था। कैथोलिक चर्च इस दिन को कैथोलिक पुरोहिताई और पवित्र यूचरिस्ट की स्थापना का दिन भी मानता है। मानव जाति के उद्धार के लिए प्रभु यीशु मसीह के सूली पर चढ़ने और उनकी मृत्यु की याद में 29 मार्च 2024 को गुड फ्राइडे मनाया जाएगा। मुख्य समारोह शाम 4.00 बजे श्क्रॉस का रास्ताश और श्प्रभु यीशु मसीह के जुनूनश के समारोह के साथ आयोजित किया जाना है। इन्हें शाम के समय, 4.00 बजे, उस समय के अनुरूप आयोजित किया जाता है जब प्रभु यीशु क्रूस पर मरे थे। पवित्र शनिवार, 30 मार्च 2024, ईसाई समुदाय के लिए मौन, आशा और उम्मीद का दिन है क्योंकि यह यीशु के पुनरुत्थान की प्रतीक्षा करता है। जबकि सुबह मौन प्रार्थना में बिताई जाती है, 'ईस्टर विजिल' या 'पास्का जागरण' शनिवार रात 10.30 बजे शहर के सभी चर्चों में आयोजित किया जाएगा, विशेष रूप से समुदाय के मुख्य चर्च, हजरतगंज में सेंट जोसेफ कैथेड्रल में। 31 मार्च 2024, शईस्टर संडेश या पास्का ईथवार को सुबह शहर के विभिन्न चर्चों में पवित्र मिस्सा का पूजा–पाठ होंगा। लखनऊ के कैथोलिक बिशप, फादर जेराल्ड जॉन मैथियास, लखनऊ के सभी नागरिकों को प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु से पुनरुत्थान के पर्व, आशा, खुशी, प्रेम और शांति के पर्व, ईस्टर की शुभकामनाएं देते हैं।

इसरो वैज्ञानिक अंजली वर्मा का एलपीएस में व्याख्यान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, विनम्र खंड, गोमती नगर, लखनऊ, में सम्मानित पूर्व छात्रा और वर्तमान में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (प्ैत्व्) की वैज्ञानिक अंजलि वर्मा ने श्वैज्ञानिक दृष्टिकोणश पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में छात्रों को उत्साहित किया गया और उन्हें वैज्ञानिकता में जिज्ञासा, विचार–विमर्श, और नवाचार की महत्ता के बारे में जागरूक किया गया। छात्रों ने उनका आनंद से स्वागत किया और वे प्रेरित और प्रोत्साहित महसूस कर रहे थे। इस अवसर पर सरला वर्मा, आर.डी. वर्मा,आशुतोष सिंह, निदेशक हर्षित सिंह व गरिमा सिंह, डीन डॉ. एल.एस. अवस्थी, एल.पी. एस. प्रिंसिपल अनीता चौधरी , शिक्षक– समुदाय एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।